सीखने की राह खोलें...

बढ़ें, चलें...

हिंदी

5

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
2022

भूमिका

कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से बच्चे असमान रूप से प्रभावित हुए क्योंकि महामारी के दौरान सभी बच्चों के पास सीखने के लिए ज़रूरी अवसर, साधन या पहुँच नहीं थी। शुरुआती चुनौतियों के बाद नवीनतम तकनीकियों का सहारा लेकर शिक्षा ज़ारी रखने का प्रयास शिक्षा विभाग की ओर से हुआ था। महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर होने में हम विवश भी थे। इसी वजह से छात्रों की शिक्षा में अस्थाई तौर पर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। यह छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में अंतराल उत्पन्न होने का कारण बन गया है।

हम निश्चित रूप से यह मानते आ रहे हैं कि शिक्षकों और छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत के साथ-साथ कक्षा-कक्ष के भीतर और बाहर छात्रों के बीच आपस में स्वस्थ चर्चा अच्छी पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षा मदद तो कर सकती है लेकिन कक्षाई प्रक्रियाओं की जगह नहीं ले सकती। सामाजिक और भावनात्मक पढ़ाई, जैसे- संवेदना, आदर, सहयोग और बातचीत, विवेचनात्मक और रचनात्मक सोच, बहुमुखी दृष्टिकोण आदि आमने-सामने की असली कक्षाई प्रक्रियाओं से ही संभव हैं। मात्रेतर भाषा हिंदी की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में भी यह शत-प्रतिशत सही है। इस प्रकार की कक्षाई प्रक्रियाओं से वंचित रहने से बच्चों की भाषाई दक्षताओं एवं उसके प्रयोगों में अंतराल नज़र आ रहा है। विशेषकर बातचीत, डायरी लेखन, कविताओं का आशय लेखन, पत्र तैयार करना, लेख तैयार करना आदि में यह अंतराल अधिक मात्रा में मौजूद है। सीखने के इस अंतराल की भरपाई समय की माँग है।

ऐसे में अपने छात्रों को सामाजिक, भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और भाषाई दक्षताओं में पीछे छूट जाने की जोखिम झेल रहे छात्रों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने जैसी जवाबी कार्रवाई का पहल शिक्षा विभाग ले रहा है। कोविड महामारी से उत्पन्न सीखने के अंतराल से छात्रों को उबारने में, भाषाई दक्षताओं में हुए व्यवधान की भरपाई करने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका है।

भरपाई की इस सामग्री में कक्षाई प्रक्रियाओं के कुछ नमूने मात्र हैं। उम्मीद है, अपनी कक्षा की माँग के अनुसार विविधतापूर्ण सामग्रियाँ शिक्षक स्वयं तैयार करेंगे और अधिगम उपलब्धियों की प्राप्ति में व्यवधान महसूस करनेवाले छात्रों की ज़रूरतों की पूर्ति करने में जागरूक रहेंगे। आशा है, यह सामग्री इस प्रक्रिया में शिक्षकों की मददगार रहेगी।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

सपना

अधिगम उपलब्धि : लघु लेख पढ़कर आशय ग्रहण करता है।

सामग्री

चित्र, पी.पी.टी. स्लाईड, चार्ट, नुस्खे।

प्रक्रियाएँ

अध्यापक सपने के बारे में एक गीत छात्रों को सुनाते हैं :

सपना

मेरा सपना सुंदर है।
मेरा सपना रंगीन है।
मेरा लक्ष्य सुंदर भारत है।

अध्यापक चित्र दिखाकर छात्रों से पूछते हैं कि -

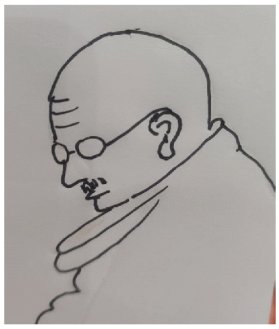

यह कौन है?

बापूजी कौन थे?

बापूजी का सपना क्या था?

राष्ट्रपिता
सुंदर भारत
बापूजी

अध्यापक यह वाचन सामग्री छात्रों के सामने प्रस्तुत करें और पढ़ने का अवसर दें :

बापूजी के सपनों का भारत

बापूजी के सपनों के भारत में ऊँच-नीच का भेदभाव नहीं है। सभी जातियाँ यहाँ मिल-जुलकर रहती हैं। यहाँ स्त्री-पुरुष का समान अधिकार है। दुनिया से हमारा संबंध शांति और भाई-चारे का है।

इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ :

गाँधीजी कौन-सा भेदभाव नहीं चाहते हैं?

सभी जातियाँ यहाँ कैसे रहती हैं?

किसका समान अधिकार होना चाहिए?

दुनिया से हमारा संबंध कैसा हो?

तो बापू के सपनों का भारत कैसा हो?

अध्यापक उचित शब्दों को चुनकर पदसूर्य की पूर्ति करने को कहते हैं :

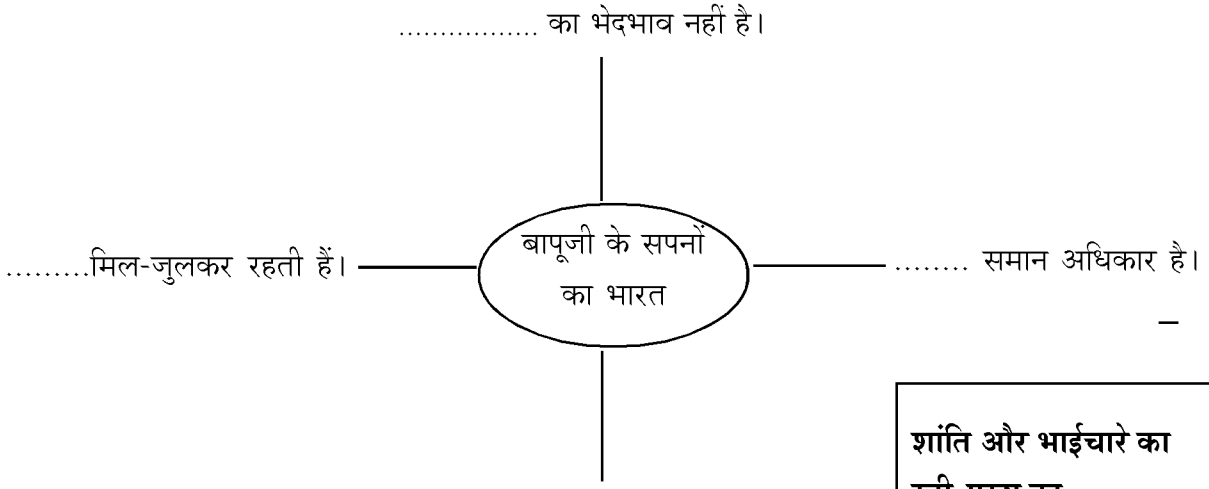

शांति और भाईचारे का
स्त्री-पुरुष का
सभी जातियाँ
ऊँच-नीच

सही मिलान करने के लिए यह वर्कशीट देते हैं :

ऊँच	-	भाव
मिल	-	नीच
स्त्री	-	चारा
भाई	-	पुरुष
भेद	-	जुलकर

दादाजी के साथ

अधिगम उपलब्धि : बालगीत पढ़कर आशय समझता है।

सामग्री

चित्र, पी.पी.टी. स्लाईड, चार्ट, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

अध्यापक एक गीत गाते हुए श्यामपट पर लिखता है :

दादा दादा दादाजी
मेरे प्यारे दादाजी
दादी दादी दादीजी
मिठाई खिलाती दादीजी
मामा मामा मामाजी
बाहर ले जाते मामाजी
मामी मामी मामीजी
प्यारी - प्यारी मामीजी
अम्मा जी और पापा जी
मेरा सब कुछ यह है जी।

अध्यापक कहें - उचित शब्दों को चुनिए। चित्र के नीचे 'जी' जोड़कर लिखिए ।

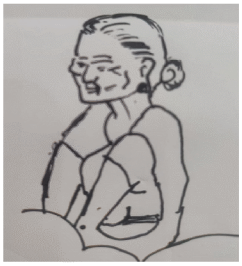

_____

_____

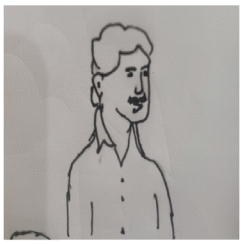

_____

_____

_____

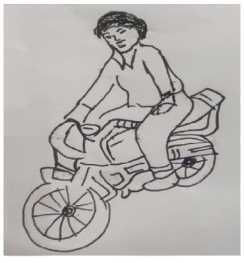

_____

जी

दादा
दादी
मामा
मामी
अम्मा
पापा

गाँव की यादें

अधिगम उपलब्धि : उद्‌घोषणा तैयार करता है।

सामग्री

चित्र, पी.पी.टी. स्लाईड, चार्ट, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

अध्यापक छात्रों से कहते हैं :

अमल अब पालक्काड रेलवे स्टेशन पर है।

यात्रीगण के लिए एक उद्‌घोषणा आपने सुनी है न।

गाड़ी संख्या 12269 अध्यापक श्यामपट पर लिखकर बताते हैं। यह गाड़ी संख्या अपनी पुस्तिका में अक्षरों में लिखिए।

इस तरह की एक और गाड़ी संख्या लिखिए।

अध्यापक नमूना देता है - गाड़ी संख्या एक, चार, पाँच, सात, तीन

संकेत पट

क्रम सं.	गाड़ी संख्या	आने का स्थान	जाने का स्थान	गाड़ी का नाम	प्लैटफार्म नंबर
1	12626	तिरुवनंतपुरम	नई दिल्ली	केरला एक्सप्रेस	2
2	14863	मंगलूर	कण्णूर	मंगलूर एक्सप्रेस	1
3	18637	कन्याकुमारी	मुबंई	कन्याकुमारी एक्सप्रेस	3
4	12654	कोषिक्कोड	षोरणूर	षोरणूर एक्सप्रेस	4

अध्यापक प्रश्न पूछते हैं :

1. 12654 नंबर गाड़ी कहाँ से कहाँ जा रही है?
2. मंगलूर से कण्णूर तक जानेवाली मंगलूर एक्सप्रेस कौन-से प्लैटफार्म में आएगी?
3. प्लैटफार्म नं. 2 पर आनेवाली गाड़ी का नाम क्या है?
4. गाड़ी संख्या 18637 कहाँ तक जाती है?
5. कोषिक्कोड़ से षोरणूर तक जानेवाली गाड़ी का नंबर कितना है?
6. कोषिक्कोड़ से षोरणूर तक जानेवाली गाड़ी कौन-से प्लैटफार्म में आएगी?

(छात्रों की प्रतिक्रिया)

अपनी प्रतिक्रियाओं के आधार पर उद्‌घोषणा तैयार करें। जैसे,

> गाड़ी संख्या एक दो छह दो छह तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली तक जानेवाली केरला एक्सप्रेस प्लैटफार्म नंबर दो पर खड़ी है।

छात्र वैयक्तिक रूप से लिखने के बाद दलों में परिमार्जन करें और प्रस्तुत करें।

झूला

अधिगम उपलब्धि : चित्रवाचन करता है।

सामग्री

चित्र, पी.पी.टी. स्लाईड, चार्ट, नुस्खे

प्रक्रियाएँ

अध्यापक चित्र दिखाकर नाम लिखने को कहते हैं :

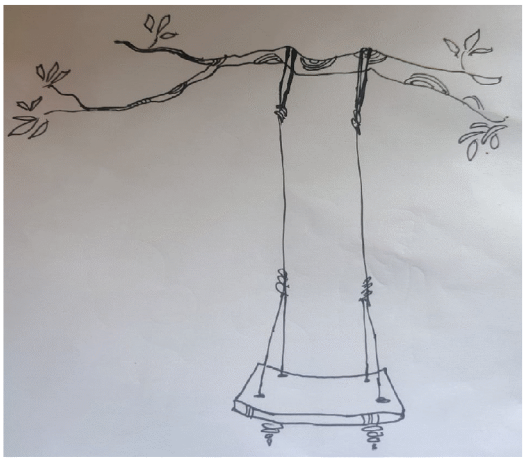

.....

अध्यापक स्लाइड के ज़रिए बताते हैं :

आम के पेड़ पर झूला लगाया था।
अमल और मुन्नी झूला झूल रहे थे।
झूला ऊपर और नीचे झूल रहा था।
बाएँ हिलते पत्ते थे और दाएँ डुलती डाली थी।

अध्यापक प्रश्न पूछते हैं :

1. झूला कहाँ पर लगाया था ?	आम के पेड़ पर	कटहल के पेड़ पर
2. अमल और मुन्नी क्या करते थे ?	झूला झूल रहे थे	स्कूल जा रहे थे।
3. झूला कैसे झूल रहा था?	ऊपर-नीचे	दाएँ-बाएँ।

अध्यापक चित्रों के नाम चुनकर लिखने को कहें :

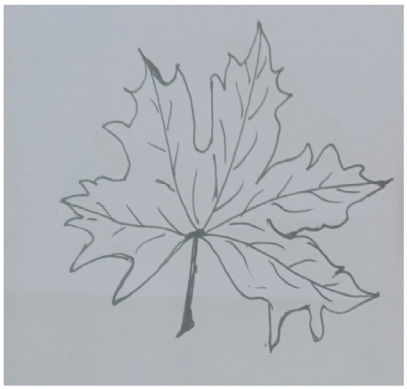

डाली
पत्ता
आम
पेड़

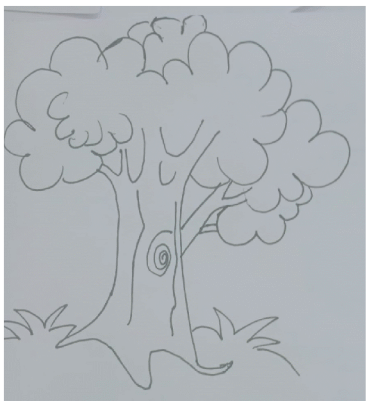

अध्यापक कहते हैं कि छात्रो, अब हम एक खेल खेलें-
अध्यापक इशारा करके एक गीत गाते हैं :

बाएँ हाथ में कलम ले लो।
दाएँ हाथ में किताब ले लो।
धीरे-धीरे चलो तुम।
तेज़ी से दौड़ो तूम।

अध्यापक इसका अभ्यास बार-बार इशारा करके करने को कहते हैं।
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. ..... हाथ में पतंग पकड़ो।
2. ..... हाथ में गुब्बारा पकड़ो।
3. ..... हाथ उठाओ।
4. ..... हाथ हिलाओ।

बाएँ, दाएँ, धीरे-धीरे, तेज़ी से

प्यारी माँ

अधिगम उपलब्धि : बालगीत पढ़कर आशय समझता है।

अध्यापक कहें :

कक्षा में 'प्यारी माँ' कविता ली है न? क्यों न हम एक बार फिर उस कविता से गुज़रें।

अध्यापक 'प्यारी माँ' कविता सुनाने का निर्देश दें।

दो-एक बच्चों को सुनाने का मौका दें।

अब ये वाक्य प्रस्तुत करें :

मेरी अम्मा प्यारी है।

मेरी अम्मा मीठे गीत सुनाती है।

मेरी अम्मा ताज़ा दूध पिलाती है।

मेरी अम्मा तरह-तरह के खाने खिलाती है।

मेरी अम्मा सारी बातें सुनती है।

मेरी अम्मा अच्छी सीखें देती है।

इन वाक्यों को बार-बार पढ़ने का अवसर दें।

अब इनमें से 'ती' में अंत होनेवाले शब्द चुनकर भरने का निर्देश देता है :

पहिया खेल

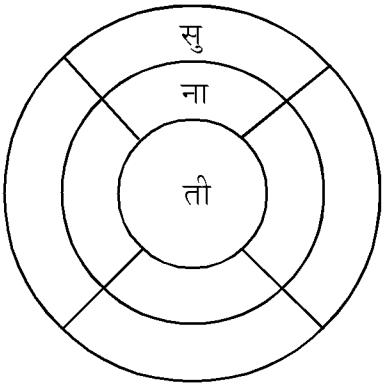

सही मिलान करके पूरे वाक्य पढ़ने का निर्देश दें।

मेरी अम्मा	मीठे गीत	पिलाती है।
	ताज़ा दूध	देती है।
	तरह-तरह के खाने	सुनाती है।
	सारी बातें	खिलाती है।
	अच्छी सीखें	सुनती है।

शब्दों का मिलान करके वाक्य बनाकर श्यामपट पर लिखें।

सीना स्कूल जा रही है।

अधिगम उपलब्धि : प्रोफ़ाइल तैयार करता है।

दोस्तो, 'सीना स्कूल जा रही है' वाले पाठ का चित्र दिखाएँ और पूछें :

अब पूछें :

यह किसका घर है?

हाँ, सीना का घर।

चित्र में कौन-कौन हैं?

चित्र के हर एक पर इशारा करके आप कहें :

सीना के पिताजी हैं।

सीना की माताजी हैं।

सीना का भाई है।

बच्चों को ज़ोर से पढ़ने का अवसर दें।

अध्यापक निम्नलिखित खंभे के प्रत्येक शब्द ज़ोर से पढ़ें, छात्रों को शब्द पहचानकर सही शब्द पर गोला लगाने का अवसर दें।

माताजी	मामा	चाची	मामी	पिताजी
भाई	बहन	सीना	चाचा	दादी

छात्रों से कहें :

सीना के परिवार को हमने देखा है न? लिखें सीना के परिवार में कौन-कौन हैं?

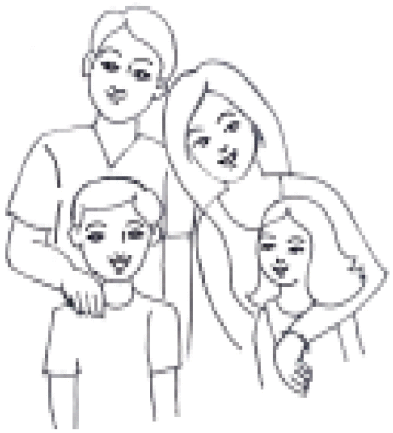

1. .....

2. .....

3. .....

अध्यापक कहें :

बच्चो, हम सीना की प्रोफाइल से परिचित हैं। अब हम अनु का परिचय पाएँगे।

अब यह वर्कशीट दें :

मेरा नाम अनु है।

मैं कक्षा पाँच में पढ़ती हूँ।

मेरे स्कूल का नाम जी.यू.पी स्कूल है।

मेरी आयु ग्यारह साल की है।

आप इसे तीन-चार बार पढ़कर सुनाएँ।

बच्चों को साथ पढ़ने का अवसर दें।

अब सीना की प्रोफ़ाइल से परिचित कराएँ।

प्रोफ़ाइल

नाम : सीना. के

कक्षा : पाँच

स्कूल : जी.यू.पी स्कूल, वडकरा

आयु : ग्यारह

अब अनु की प्रोफ़ाइल तैयार करें :

नाम .....

कक्षा .....

स्कूल .....

आयु .....

अब छात्रों को अपनी-अपनी प्रोफ़ाइल तैयार करने का भी अवसर दें :

मेरी प्रोफ़ाइल

नाम .....

कक्षा .....

स्कूल .....

आयु .....

विनु अस्पताल में

दोस्तो, 'विनु अस्पताल में' पाठ से गुज़रते समय बच्चों ने वार्तालाप की पूर्ति की है। अब एक और अभ्यास करवाएँ।

आप कहें :

यह चित्र देखिए।

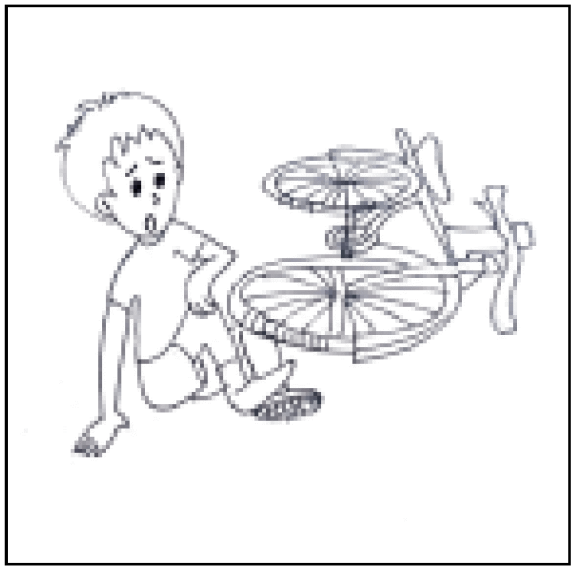

यह विवेक है।
विवेक को क्या हुआ?
पैर पर चोट लगी।
उसके पैर पर कैसे चोट लगी?
विवेक नीचे गिरा।
फिर उसने क्या किया होगा?
विवेक अस्पताल गया होगा न?
डॉक्टर ने विवेक से क्या पूछा होगा?
विवेक ने क्या जवाब दिया होगा?
डॉक्टर और विवेक के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी?

यह वर्कशीट दें और उचित संवाद चुनकर वार्तालाप की पूर्ति करने को कहें।

डॉक्टर	.....
विवेक	.....
डॉक्टर	.....
विवेक	.....
डॉक्टर	.....
विवेक	.....

पैर पर चोट लगी।
क्या हुआ?
कुछ दिन आराम करना।
कैसे?
साईकिल से नीचे गिरा।
जी शुक्रिया।

रंग भरें...

दोस्तो, हमारे बच्चे रंगों से परिचित हैं न? उन्हें एक बार और रंग भरने का अवसर दें।

काला ⬭

पीला ⬭

हरा ⬭

लाल ⬭

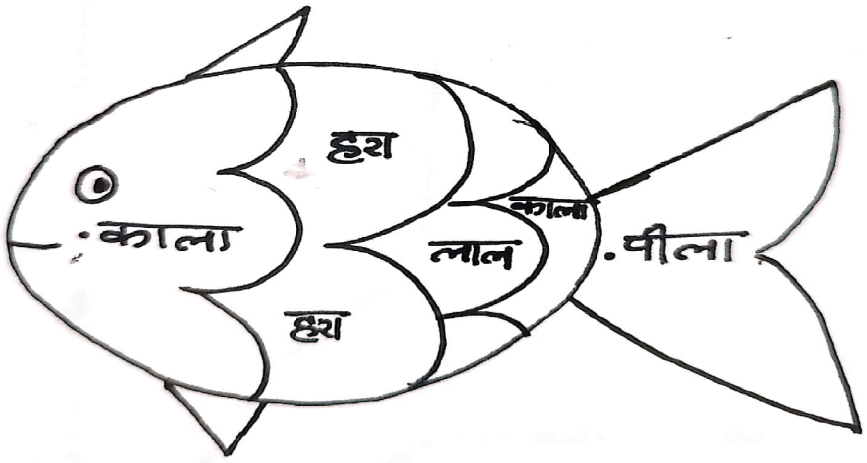

जानवरों की दुनिया...

अधिगम उपलब्धि : बालगीत पढ़कर आशय समझता है।

दोस्तो, हमारे बच्चे जानवरों के नामों से परिचित हैं। उन्हें ज़रा यह गीत सुनाएँ :

जानवरों का मेला आया
देखो, देखो कौन है आया
भौं भौं करता कुत्ता आया
खरगोश पेड़ के नीचे सोया
है बंदर मुसकाते आया
धीरे-धीरे हाथी भी आया
म्याऊँ करके बिल्ली आई
दिल बहलाने हिरण भी आया।

अब चित्र देखकर जानवरों के नाम खाली स्थान पर लिखने को कहें :

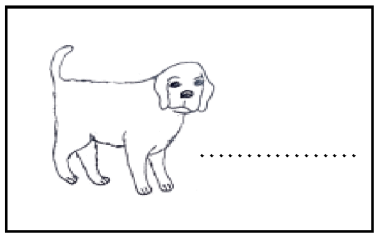

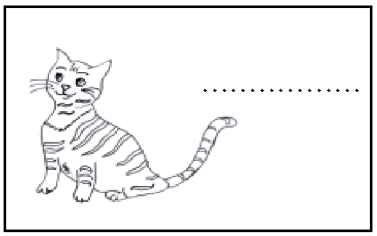

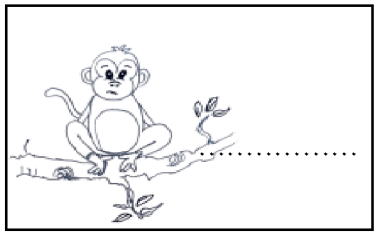

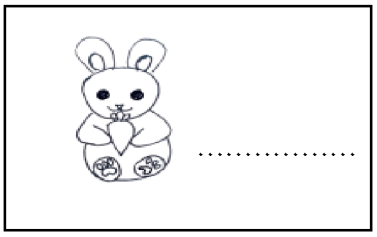

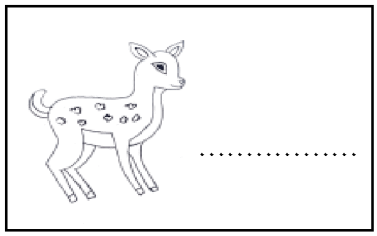

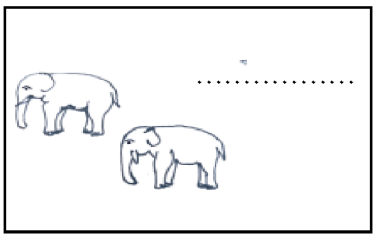

....

....

....

....

....

....